By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-3

Topic - Liberalism

class - B.A. Degree - III (Hons, P- VIII.D)

Subject - Political science

Date - 27 August, 2020

By Rahul Kumar Jha.

उदारवाद :-

उदारवाद अपने विकास क्रम में पहले पुनर्जागरण और धर्म सुधार आंदोलनों में प्रकट हुआ जिनका उद्देश्य मनुष्य को धार्मिक अंधविश्वासों की बेड़ियों से मुक्त कराना और उसके प्राचीन भूत की जिज्ञासु भावना का संचार करना था. यह प्रमुखतात्मक राष्ट्र-राज्य के संघर्ष में भी प्रकट हुआ। इसका यह कारण था कि आधुनिक राज्य पोप के सर्वोच्चसिमान अधिकार के विरुद्ध संघर्ष चुनौतियों के रूप में उभर कर आया जो निरंकुशतंत्र का साकार रूप बन गया था।

जब राजसत्ता निरंकुशतंत्रवाद के मार्ग पर अग्रसर हुई तो उदारवाद राजसत्ता

के आलोचक के रूप में उभरा। इसका उदाहरण हमें आधुनिक युग के उन सभी जन-आंदोलनों में देखने को मिलता है जो नई राजनीतिक व्यवस्था की स्थापना का प्रयास थे। उदारवाद के विकास के बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि यह औद्योगिकरण के कारण उत्पन्न पूंजीपति वर्ग को आर्थिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा करने की छूट देता है। इसी कारण लॉस्की ने कहा है कि "मध्यकाल के अंत में नीन आर्थिक समाज के उदय के कारण ही उदारवाद की उत्पत्ति हुई।"

पुनर्जागरण काल में यह बौद्धिकता के विकास के कारण धार्मिक अन्धविश्वासों को समाप्त करने के प्रतिनिधि के रूप में विकसित हुआ। धर्म सुधार आंदोलनों ने व्यक्ति को ही राजनीतिक चिन्तन का केन्द्र बना दिया। चर्च की सत्ता का लोप हो गया। व्यक्ति चर्च की दासता से मुक्त हो गया और चर्च की निरंकुश सत्ता का अंत हो गया। आधुनिक

युग में यह सिद्धांत सत्ता के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया या आंदोलन का प्रतिनिधि है जिसने व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का महत्व प्रतिपादित किया है।

लॉस्की का मानना है कि "मध्यकाल के अंत में नवीन आर्थिक समाज के उदय के कारण ही उदारवाद का जन्म हुआ।" आधुनिक युग में उदारवाद के दर्शन इंग्लैण्ड में होते हैं। वाल्टेयर, लॉक, रूसो, कॉण्ट, एडम स्मिथ, मिल, जैफरसन, मान्टेस्क्यू, लॉस्की, बार्कर जैसे विचारकों को उदारवाद का महत्वपूर्ण विचारक माना जाता है। इन सभी राजनीतिक दार्शनिकों का ध्येय विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा आर्थिक क्षेत्र में Laissez Faire का समर्थन करना रहा है। इन विचारकों ने राज्य को एक आवश्यक बुराई के रूप में देखा है और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर कम-से-कम नियंत्रण की बात पर जोर दिया है। एक सिद्धांत के रूप में उदारवाद इंग्लैण्ड की 1688 की गौरवपूर्ण क्रांति तथा फ्रांस की 1789 की क्रांति का परिणाम माना जाता है। लॉक को व्यक्तिवादी उदारवाद का पिता माना जाता है।

CHAPTER CONTINUES...